ओम जय महावीर प्रभु, स्वामी जय महावीर प्रभु ।

कुण्डलपुर अवतारी, त्रिशलनंद विभो । ओम जय..

सिद्धार्थ घर जन्मे, वैभव था भारी, स्वामी वैभव था भारी ।

बाल ब्रह्मचारी व्रत पाल्यौ तपधारी ।। ओम जय..

आतम ज्ञान विरागी, सम दृष्टि धारी ।

माया मोह विनाशक, ज्ञान ज्योति जारी ।। ओम जय..

जग में पाठ अहिंसा, आपहि विस्तार्यो ।

हिंसा पाप मिटाकर, सुधर्म परिचार्यो । ओम जय..

इह विधि चांदनपुर मे अतिशय दरशयो ।

ग्वाल मनोरथ पूर्यो दूध गाय पायौ ।। ओम जय..

प्राणदान मन्त्री को तुमने प्रभु दीना ।

मन्दिर तीन शिखर का निर्मित है कीना ।। ओम जय..

जयपुर नृप भी तेरे, अतिशय के सेवी ।

एक ग्राम तिन दीनों, सेवा हित यह भी ॥ ओम जय..

जो कोई तेरे दर पर इच्छा कर आवै ।

होय मनोरथ पूरण, संकट मिट जावै ॥ ओम जय..

निशि दिन प्रभु मंदिर मे, जगमग ज्योति जरै ।

हरि प्रसाद चरणो मे, आनंद मोद भरै ।। ओम जय..

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in